



PLI योजना

प्रलिस के लयः

नीतऱआयोग, PLI योजना

मेन्स के लयः

PLI योजना और इसका महत्त्व, PLI योजना के मुद्दे

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **नीतऱआयोग** ने **उत्पादन-लकड प्रोत्साहन (PLI)** योजनाओं के तहत वत्तीय पुरस्कार प्राप्त करने वाली कंपनयों द्वारा मूल्यवर्द्धन को ट्रैक करने के उद्देश्य से मानकों के एक सेट को वकिसति करने पर काम शुरू कया गया है ।

- सचवों के अधिकार प्राप्त समूह को जून 2020 में स्थापति कया गया था, जसऱ PLI योजनाओं में बाधाओं की पहचान करने, राज्यों और कंपनयों के बीच तेज़ी से अनुमोदन के लयऱ समन्वय करने, PLI योजनाओं में त्वरति नवऱश का मूल्यांकन तथा परयोजनाओं के समग्र बदलाव को सुनश्चिति करने का काम सौंपा गया था ।
- समूह की अध्यक्षता कैबनऱ सचवऱ द्वारा की जाती है और नीतऱआयोग के मुख्य कार्ककारी अधिकारी, उद्योग एवं आंतरकऱ व्पापार वऱभाग के सचवऱ तथा संबधति मंत्रालय के सचवऱ इसके सदस्य के रूप में शामिल हैं ।

क्या है योजना?

- सभी क्षेत्रों में PLI योजनाओं में प्रगतऱ की नगिरानी के लयऱ एक केंद्रीकृत डेटाबेस बनाने का प्रयास करते हुए नीतऱआयोग ने एक बाह्य एजेंसी-राज्य के स्वामतऱव वाली IFCI लमऱटऱड या **सडिबी** के साथ डेटाबेस तैयार करने की योजना बनाई है ।
 - यह डेटाबेस मूल्यवर्द्धन, की गई प्रतबिद्धताओं के वरुद्ध वास्तवकऱ नरऱयात और रोजगार सृजन को कवर करेगा ।
- राज्य स्तर पर बाधाओं को दूर करने के लयऱ एक डैशबोर्ड भी बनाया जाएगा ।

PLI योजना के सामने क्या चुनौतयऱ हैं?

- मानकों का कोई सामान्य सेट नहीं:**
 - PLI योजना के तहत प्रोत्साहन प्राप्त करने या ऐसी संभावना वाली कंपनयों द्वारा मूल्यवर्द्धन को समझने के लयऱ कोई सामान्य मानदंड नहीं थे ।
 - वर्तमान में वऱभिन्न मंत्रालय अपनी संबधति PLI योजनाओं के मूल्यवर्द्धन की नगिरानी करते हैं और दो अलग-अलग योजनाओं की तुलना करने का कोई स्थापति तरीका नहीं है ।
 - इसके अलावा वऱभिन्न वतरण योग्य जैसे कनौकरयों की संख्या ने नरऱयात में वृद्धऱ और गुणवत्ता में सुधार कया है तथा इन सभी को मापने के लयऱ कोई केंद्रीकृत डेटाबेस उपलब्ध नहीं है ।
- कंपनयों के लयऱ प्रोत्साहन लक्ष्य में भी वृद्धऱ:**
 - अपने क्षेत्र में कार्क कर रही कंपनयों के साथ बातचीत करने वाले वऱभागों और मंत्रालयों को भी कुछ वऱशिष्ट मुद्दों का सामना करना पडता है ।
 - उदाहरण- कई बार कंपनयों के लयऱ प्रोत्साहन हेतु अरहता प्राप्त करने का लक्ष्य बहुत अधिक होता है ।
- एक या दो आपूर्तऱ शृंखलाओं पर नरऱभर घरेलू कंपनयऱ:**
 - पछिले वत्तऱ वर्ष तक केवल 3-4 कंपनयऱ ही स्वीकृत चौदह कंपनयों से पीएलआई योजना के लयऱ अरहता प्राप्त करने हेतु **संवरद्धति बकऱरी लक्ष्य (Incremental Sales Targets)** हासलऱ करने में कामयाब रही थीं ।
 - वैश्वकऱ कंपनयों के वऱपऱरीत **अधकऱंश घरेलू कंपनयऱ एक या दो आपूर्तऱ शृंखलाओं पर नरऱभर** थीं, जो कऱगंभीर रूप से बाधति हो गई हैं और बऱना कऱसी गलती ये कंपनयऱ प्रोत्साहन हेतु योग्य नहीं होंगी ।

‘उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन’ योजना (PLI Scheme):

■ परिचय:

- उच्च आयात प्रतिस्थापन और रोज़गार सृजन के साथ घरेलू वनिर्माण क्षमता को बढ़ाने के लिये **PLI योजना** की कल्पना की गई थी।
- सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों हेतु PLI योजनाओं के तहत 1.97 लाख करोड़ रुपए अलग रखे तथा **वित्त वर्ष 2022-23** के बजट में **सौर पीवी मॉड्यूल** के लिये PLI हेतु 19,500 करोड़ रुपए का अतिरिक्त आवंटन किया गया है।
- मार्च 2020 में शुरू की गई इस योजना ने शुरू में तीन उद्योगों को लक्ष्य किया था:
 - मोबाइल और संबद्ध घटक निर्माण
 - वदियुत घटक निर्माण
 - चकितिसा उपकरण

■ योजना के तहत प्रोत्साहन:

- संवर्द्धति बकिरी के आधार पर गणना की गई प्रोत्साहन राशि, इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रौद्योगिकी उत्पादों के लिये **कम-से-कम 1% से लेकर महत्त्वपूर्ण प्रारंभिक दवाओं के संबंध में 20% तक** है।
- उन्नत रसायन सेल बैटरी, कपड़ा उत्पाद और ड्रोन उद्योग जैसे कुछ क्षेत्रों में प्रोत्साहन की गणना पाँच वर्षों की अवधि में की गई बकिरी, प्रदर्शन एवं स्थानीय मूल्यवर्द्धन के आधार पर की जाएगी।

■ वे क्षेत्र जिनके लिये PLI योजना की घोषणा की गई है:

- अब तक सरकार ने **ऑटोमोबाइल एवं ऑटो घटकों, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी हार्डवेयर, दूरसंचार, फार्मास्यूटिकल्स, सौर मॉड्यूल, धातु एवं खनन, कपड़ा एवं परिधान, ड्रोन व उन्नत रसायन सेल बैटरी** सहित 14 क्षेत्रों के लिये PLI योजनाओं की घोषणा की है।

■ उद्देश्य:

- सरकार ने चीन एवं अन्य देशों पर भारत की निर्भरता को कम करने के लिये इस योजना की शुरुआत की है।
- यह श्रम प्रधान क्षेत्रों का समर्थन करती है और भारत में रोज़गार अनुपात को बढ़ाने का लक्ष्य रखती है।
- यह योजना आयात बलों को कम करने एवं घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिये भी काम करती है।
 - PLI योजना वदेशी कंपनियों को भारत में अपनी इकाइयाँ स्थापित करने के लिये आमंत्रित करती है और घरेलू उद्यमों को अपनी उत्पादन इकाइयों का वस्तितार करने हेतु प्रोत्साहित करती है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/pli-schemes>

